



मंगल परिणय



शुक्रवार, 10 फरवरी 2023

पूर्णिमा (आशी)

परिणय

चाहत

PC

प्रतिष्ठा में,
श्रीमान्

प्रेषक :

लालबिहारी गुप्ता

बी.एल. हाउस

पुलिस स्टेशन के पीछे, एत्मादपुर, आगरा

मो. 8307044495, 9897030090, 8476986741



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

मंगलम् भगवान विष्णु, मंगलम्-गरुड ध्वजः ।
मंगलम् पुण्डरीकाक्ष, मंगलाय तनो हरिः ॥

स्नेही स्वजन,

परमपिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से

सौ. काँ. पूर्णिमा (आशी)

सुपौत्री: श्रीमती उर्मिला गुप्ता एवं श्री लालबिहारी गुप्ता
सुपुत्री: श्रीमती शालिनी (माला) एवं श्री संजीव कुमार गुप्ता
निवासी: एत्मादपुर, आगरा

परिणय

चि. चाहत

सुपौत्र: श्रीमती देवकी देवी एवं श्री मनोहर लाल जी कंसल
सुपुत्र: श्रीमती अन्जू रानी एवं श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी कंसल
निवासी: बरनाला (पंजाब)

के

!! मंगल परिणयोत्सव !!

के शुभ क्षणों की पावन बेला पर आप पधार कर नव-दम्पति को भावी जीवन के लिए स्नेहासिंचित आशीर्वाद की मृदुल ज्योत्सना से अभिसिंचित कर हमें अनुग्रहीत करें।

दर्शनाभिलाषी :

क्षितिज, अर्चित, ध्रुव
दीप, दक्ष, व्योम, महक
खुशी, गुन एवं
समस्त कौशल परिवार

स्वागतोत्सुक :

नीलम - मुकेश जी
अलका - राकेश जी
हेमा - राजीव जी
मीनाक्षी - सत्यप्रकाश जी
बबिता - प्रशान्त जी
दीक्षा - सचिन जी
सोनम

विशेष आग्रह :

राजीव कुमार - भारती गुप्ता
राजदीपक - भारती गुप्ता
राज कौशल - कृष्णा गुप्ता
सनी - मेघा गुप्ता
मेहुल - पलक गुप्ता

विनीत :

श्रीमती रतन देवी गुप्ता
श्रीमती विमला देवी गुप्ता
श्रीमती नीरु गुप्ता
वीरेन्द्र कुमार - कुसुम गुप्ता
सुनील कुमार - संगीता गुप्ता



॥ श्री गणेशाय नमः ॥
वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरुभ्ये देव, सर्वकार्येषु सर्वदा ॥



॥ मांगलिक कार्यक्रम ॥

बुधवार, 8 फरवरी 2023

मेंहदी - हल्दी प्रातः 11.00 बजे

शुक्रवार, 10 फरवरी 2023

स्वागत बारात एवं प्रीतिश्रोज सायं 7.00 बजे
पाणिग्रहण संस्कार रात्रि बेला

शनिवार, 11 फरवरी 2023

श्रीगी पलकें प्रातः बेला

विवाह स्थल:

अग्रवन (भूतल)

वाटर वर्क्स चौराहा, आगरा



बाल आकांक्षा: शादी में आने से पहले आप न शरमाना, हमारी दीदी की शादी में जरूर जरूर आना
.... महुक, खुशी, गुन

विशेष अनुरोध : कृपया इस मंगल पत्रिका को ही व्यक्तिगत बुलावे की मान्यता प्रदान करें।

विवेक कार्ड, आगरा

“बेटियाँ”

ओस की बूँद सी होती हैं बेटियाँ, पापा की प्यारी और दादा की दुलारी होती हैं बेटियाँ
माँ- बाप के दर्द में हमदर्द होती हैं बेटियाँ, रौशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को,
दो-दो कुलों की लाज होती हैं बेटियाँ, हीरा है अगर बेटा तो, सच्चा मोती हैं बेटियाँ,
काँटों की राह पर चलती हैं बेटियाँ, औरों की राह में फूल बनती हैं बेटियाँ,
कहने को परायी अमानत हैं बेटियाँ, पर बेटों से भी बढ़कर अपनी होती हैं बेटियाँ,
बेटा है आँख तो पलक हैं बेटियाँ, जीवन का सारांश हैं बेटियाँ, बेटी धन पराया होता है,
ये हम सुनते आये हैं, दर्द विदाई का क्या, आज समझ में आया, गम और खुशी का रिश्ता
कैसा ये अजीब है, मेरी परछाई मुझसे ले रही विदाई आप सभी की लाडली

“पूर्णिमा”

को आशीर्वाद देने जरूर पधारिये।

प्रतिष्ठान

- ❖ राजीव कुमार संजीव कुमार ज्वैलर्स
- ❖ अयोध्या प्रसाद वीरेन्द्र कुमार क्लॉथ मर्चेन्ट
- ❖ सुनील मेडीकल स्टोर
- ❖ राज साड़ी एम्पोरियम
उत्मादपुर, आगरा

पता

संजीव कुमार गुप्ता

301, श्री जी अपार्टमेंट, लक्ष्मी मिल
जीवनी मण्डी, आगरा